(b) the time by which all of the oustees are expected to be rehabilitated in Rajasthan under the revised programme?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI B. N. KUREEL): (a) and (b). 568 Pong Dam oustees were allotted land in Rajasthan by middle of June, 1971. Since then there has been no progress because of divergence of views between Rajasthan and Himachal Pradesh on certain issues relating to the eligibility of oustees for allotment of land. In this connection, advice of the Union Cabinet Secretary to whom the matter was referred has been accepted by both the States. The Rules for allotment of land framed thereafter by Rajasthan Government are at present being reviewed by them. The allotment of land and movement of oustees will start after the rules have been reviewed.

ब्योहारी, शहडोल, पाली और उमरिया में इमारती लकड़ी और कच्चे कोयले के लिए वैगनों के आवंटन के लिए अनिर्गत पड़े इन्डेन्ट (मांग पत्र)

2111. श्री गंगा चरण दीक्षित :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कटनी-बिलासपुर, डोंगरगढ़-बिलासपुर, रायपुर-महासमुन्द और धमतरी रेलवे स्टेशनों के बीच लकड़ी और कच्चे कोयले के परिवहन हेतु बहुत से मांग पत्र लंबित हैं;

(ख) क्या डी० जी० एस० एंड डी० के द्वारा रेलवे तथा प्रतिरक्षा विभाग को प्रदाय की जाने वाली इमारती लकड़ी आर० एस० डी० खापा के रेलवे यार्ड पर वैगनों की अनुपलब्धता के कारण रुका हुआ है; और

(ग) क्या ब्योहारी, शहडोल, पाली और उमरिया को कच्चे कोयले के परिवहन के लिए रेल वैगन आबंटित करने संबंधी विभाग द्वारा दिए गए बहुत से मांग-पत्र अभी भी रेल विभाग में तीन महीनों से अधिक समय से लम्बित पड़े हुए हैं ?

रेल मंत्री (श्री टी० ए० पाई) : (क) अप्रैल से अक्तूबर, 1972 तक बड़ी लाइन के 4,650 माल डिब्बों के लदान के बाद, अक्तूबर, 1972 के अन्त में लगभग 6,000 मालडिब्बों की मांग बाकी रह गयी थीं, लेकिन उस अवधि में 3,945 मालडिब्बों की मांग रद्द कर दी गयी थीं जो इस बात की सूचक है कि सभी बकाया मांगें वास्तविक नहीं थीं। रायपुर-धमतरी छोटी लाइन खंड पर 722 माल डिब्बों का लदान हुआ और 1,445 माल डिब्बों की मांग बकाया थीं।

(ख) रेलवे रक्षा या सम्भरण एवं निपटान महा-निदेशालय के लेखे में ढुलाई के लिए खापा स्टेशन पर कोई मांग बाकी नहीं है।

(ग) स्टेशनों पर मांगपत्रों का विभाग-वार लेखा नहीं रखा जाता है। फिर भी, 31-10-1972 को लकड़ी के लिए सब मिला कर 68 मांग उमरिया में, 96 शहडोल में, 36 बीरसिंहपुर (पाली) में और और 4 ब्योहारी में बकाया थीं।